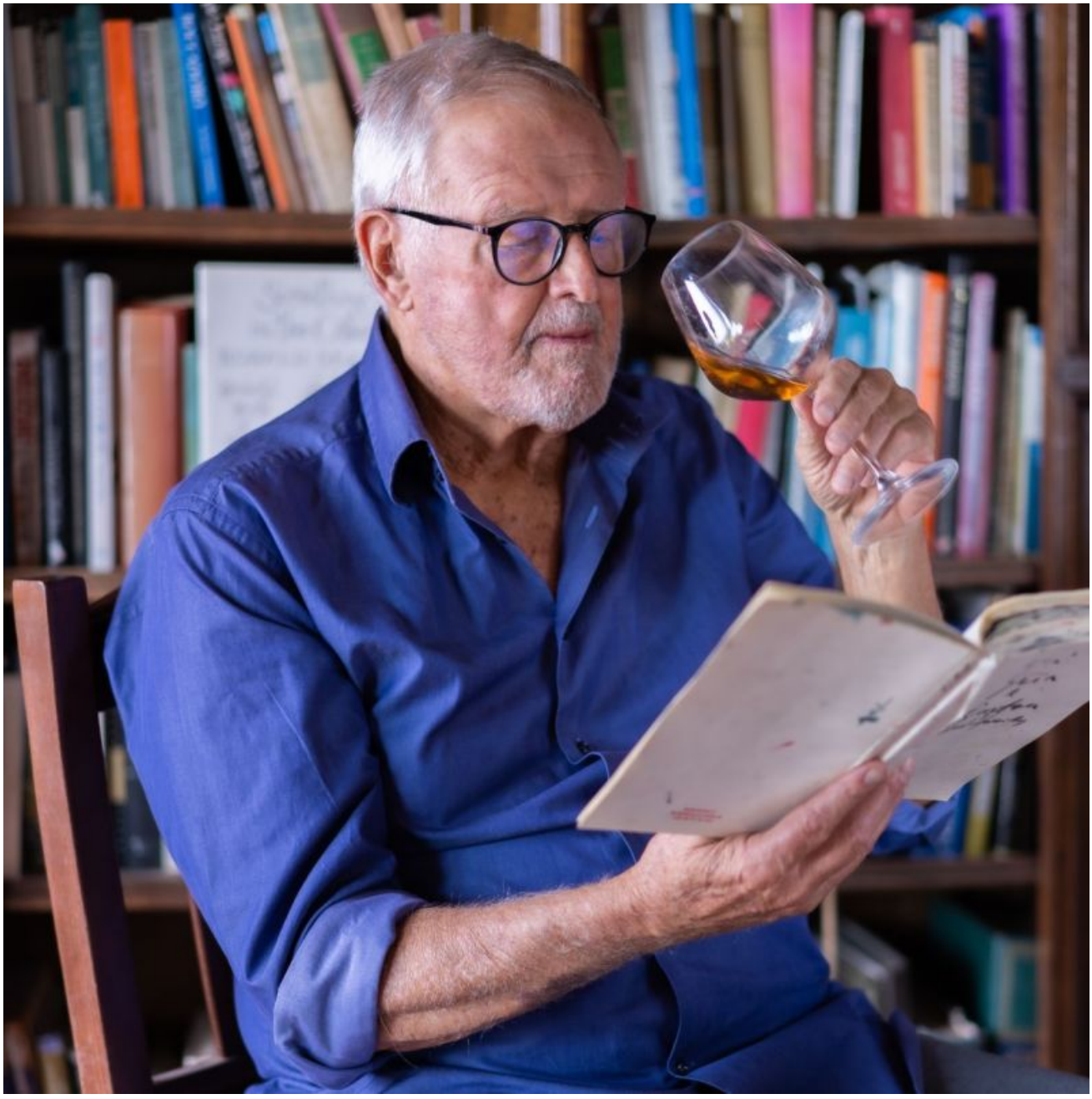
vinetur

इतालवी वाइन के प्रभावशाली इतिहासकार बर्टन एंडरसन का करीब 90 वर्ष की उम्र में निधन

उनकी किताबों ने अंग्रेज़ीभाषी पाठकों की पीढ़ियों को इटली के अंगूर-बागों, उत्पादकों और देशी अंगूरों की परंपराओं से परिचित कराया

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



अमेरिकी वाइन पत्रकार और लेखक बर्टन एंडरसन का करीब 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके काम ने इतालवी वाइन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलाने में मदद की थी। WineNews के मुताबिक, उसने शुक्रवार, 13 नवंबर को उनके निधन की खबर दी।

एंडरसन का जन्म मिनेसोटा में हुआ था और वे इतालवी वाइन पर अंग्रेज़ी में लिखने वाले सबसे चर्चित लेखकों में शामिल हुए। दशकों तक उन्होंने इटली के अंगूर-बागों, उत्पादकों और क्षेत्रीय परंपराओं के बारे में लिखा—उस दौर में, जब देश के वाइन परिदृश्य का बड़ा हिस्सा विशेषज्ञों के दायरे से बाहर बहुत कम जाना जाता था। उनकी किताबें उन पाठकों, आयातकों और वाइन पेशेवरों के लिए संदर्भ ग्रंथ बन गईं, जो तेजी से बदलते और दुनिया का लगातार ध्यान खींचने लगे उद्योग को समझना चाहते थे।

उनकी सबसे चर्चित कृतियों में Vino: The Wines & Winemakers of Italy और Burton Anderson's Guide to Italian Wines के कई संस्करण शामिल थे। उन्होंने उत्पादकों और क्षेत्रों पर भी किताबें लिखीं, जिनमें 1988 में प्रकाशित Biondi Santi: the Family That Created Brunello di Montalcino और 1999 में प्रकाशित Franciacorta, Italy's Sanctuary of Sparkling Wine शामिल हैं।

उनका लेखन इतालवी वाइन के लिए एक अहम दौर में सामने आया। 1980 के दशक में इटली के कई प्रमुख वाइन क्षेत्रों को विदेशों में नई पहचान मिल रही थी, लेकिन देश का वाइन मानचित्र विदेशी पाठकों के लिए अब भी जटिल और अक्सर उलझनभरा था। एंडरसन ने अंगूर की किस्मों, अपीलेशनों, उत्पादकों और स्थानीय इतिहास के बारे में स्पष्ट और सहज अंग्रेज़ी में लिखा। उनके काम ने यह समझाने में मदद की कि गहरी कृषि परंपराओं वाला देश अपनी वाइन इंडस्ट्री का आधुनिकीकरण करते हुए देशी अंगूरों और लंबे समय से स्थापित क्षेत्रों को फिर से कैसे खोज रहा था।

इस भूमिका ने उन्हें असाधारण प्रभाव दिलाया। वे केवल बोतलों की समीक्षा या बाज़ार के रुझानों की रिपोर्टिंग नहीं कर रहे थे। वे ऐसी शब्दावली गढ़ने में मदद कर रहे थे, जिसके ज़रिये अंतरराष्ट्रीय पाठक इतालवी वाइन को उसकी अपनी शर्तों पर समझ सकें—न कि फ्रांस या अन्य अधिक प्रसिद्ध वाइन उत्पादक देशों से तुलना करके। उनकी किताबों में वाइन को संस्कृति, भूगोल और पारिवारिक इतिहास के हिस्से के रूप में देखा गया, और उन उत्पादकों को भी जगह मिली जिनके नाम इटली के बाहर तब तक बहुत कम जाने जाते थे।

WineNews ने उन्हें वाइन आलोचना और कहानी-कथन की एक ऐतिहासिक आवाज़ बताया और कहा कि वे उन लेखकों में शामिल थे जिन्होंने इतालवी वाइन को दुनिया भर में पहचान दिलाने में मदद की। प्रकाशन ने यह भी कहा कि 1980 के दशक से उनकी किताबों ने देश की वाइन को वैश्विक पाठकों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

WineNews को दिए एक पुराने इंटरव्यू में एंडरसन ने इटली के वाइन क्षेत्र में आए बदलावों के पैमाने पर विचार किया था। उन्होंने कहा कि पिछले 30 वर्षों में देश ने उससे पहले के 3,000 वर्षों की तुलना में कहीं अधिक प्रगति की है। उन्होंने खास तौर पर देशी अंगूरों से बनी वाइन की बढ़ती सराहना का ज़िक्र किया। साथ ही, उन्होंने चेताया कि संख्यात्मक स्कोर पर बढ़ती निर्भरता ने वाइन पर चर्चा के तरीके को कमजोर किया है।

उस इंटरव्यू के मुताबिक, एंडरसन ने ऐसी पत्रकारिता और संचार की ओर लौटने की वकालत की जिसमें केवल रेटिंग के बजाय वाइन, अंगूर की किस्मों और क्रू की कहानियों पर ध्यान हो। यह टिप्पणी उनके लेखन में बार-बार उभरने वाले विचार का सार थी : वाइन को केवल संख्याओं की एक सरल श्रेणी में नहीं बांधा जा सकता, क्योंकि वह जगह, परंपरा और मानवीय फैसलों की भी उपज है।

WineNews के निदेशक अलेस्सांद्रो रेगोली ने कहा कि एंडरसन वाइन लेखकों और पत्रकारों में सबसे महान लोगों में से थे, हालांकि उन्हें अक्सर वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। रेगोली के मुताबिक, इतालवी वाइन की कहानी कहने और ऐसे उत्पादन परिदृश्य में दिलचस्पी जगाने की उनकी क्षमता के कारण उनका योगदान अनिवार्य था, जो उनके करियर के शुरुआती दौर में बिल्कुल अलग था और काफी हद तक अनदेखा था। उन्होंने कहा कि वाइन को लेकर उनकी अपनी

समझ भी कुछ हद तक एंडरसन के लेखन से बनी और उनके निधन को इस क्षेत्र के लिए बड़ा नुकसान बताया।

यह श्रद्धांजलि उस सम्मान को दर्शाती है जो वाइन पर लिखने और इस क्षेत्र में काम करने वाले लोग एंडरसन के लिए रखते थे। जहां कुछ आलोचकों ने तीखी राय और स्कोरिंग प्रणालियों के ज़रिये अपनी पहचान बनाई, वहीं एंडरसन धैर्यपूर्वक समझाने और व्यापक ऐतिहासिक दृष्टिकोण के लिए जाने गए। उनकी किताबों में मशहूर नामों के साथ-साथ इतालवी अंगूर की खेती के कम चर्चित इलाकों का भी लेखा-जोखा था। इससे पाठकों को वाइन क्षेत्रों को शेल्फ पर लगे लेबल के बजाय जीवंत जगहों के रूप में देखने में मदद मिली।

उनका काम डिजिटल संचार के मौजूदा दौर से पहले का है, जब उत्पादकों और क्षेत्रों के बारे में अंग्रेज़ी में जानकारी कहीं कम उपलब्ध थी। इससे उनकी रिपोर्टिंग का महत्व और बढ़ गया। पाठक अक्सर उनकी गाइडों का सहारा सिर्फ़ सिफारिशों के लिए नहीं, बल्कि दिशा समझने के लिए भी लेते थे। इटली से बाहर के कई लोगों के लिए उनकी किताबें एक बिखरी हुई और विविध वाइन संस्कृति में प्रवेश का रास्ता बनीं, जिसका विस्तार आल्प्स की घाटियों से लेकर दक्षिणी द्वीपों तक था।

एंडरसन का करियर आधुनिक इतालवी वाइन के सबसे महत्वपूर्ण दौरों में से एक के दौरान आगे बढ़ा। गुणवत्ता के मानक तेजी से ऊंचे हुए, निर्यात की महत्वाकांक्षाएं बढ़ीं और कई उत्पादकों ने अंगूर-बागों की देखभाल तथा वाइन बनाने की तकनीक—दोनों में निवेश किया। इसी बीच, आधुनिकीकरण और क्षेत्रीय पहचान के बीच संतुलन को लेकर बहस तेज हुई। एंडरसन ने इन बदलावों को दर्ज किया और उनके पीछे के लोगों तथा जगहों पर ध्यान बनाए रखा।

उनके निधन से उस बदलाव के एक साक्षी और इसे दुनिया के सामने समझाने वाले लेखकों में से एक का जाना हुआ है। अंग्रेज़ी में इतालवी वाइन को पढ़ने वाले पाठकों, उत्पादकों और पत्रकारों के लिए उनकी किताबें उस बदलाव का दस्तावेज़ बनी रहेंगी, जिसके तहत देश को पहले केवल जानकारों की सराहना मिलती थी और बाद में वह वैश्विक वाइन कारोबार की प्रमुख ताकतों में शामिल हो गया।